





ॐ मुनि २ मा नि मुन य हो हो हो स्वा
हा ॥ ध्यात ॥ १०८ थो मंत्र नं था मा न ले
ब ग ले ची इन ह य ॥ वा स्र पे ने वे ज
व वा स्र काः ध्रु प आ वे ह्ना स ची इन
अ प या य वा नी का य मुन
ॐ वि ह नै ह या थ ॥ मा क र्ष ना य स्वा हा
ध्या ल क को ॥ थो मंत्र नं म नि स ते गु गु ल
ॐ वा ल म स मा न वा ल वृ त ली ॐ
हि ॐ ई कृ कृ त स्वा हा ॥ जी मि न मि
य था ध्र वा म च या य थो मंत्र नं वा ल
२१

ॐ नीरजनगुरु नीरजनसरी
सहीताय ॥ वलीगुरु स्वस्वस्व
पहुंफतस्वाहा ॥

ॐ धो जाय ॥ स्वमय अस्मितकी
बगही भौरव प्रसायनी देवी ॥
मस्तुता तये नमस्वाहा

ॐ धो धो धो धो धो ॥ रहर रहर
रव असीतकी माहे स्वरी ॥ तृपु
रासक क्षत्रपाल माहसुकी
नागवली गुरु स्वस्वस्व
पहुंफतस्वाहा

ॐ नम ॐ सी च बु धा ये
 वं दे च दी कु मारी ॥ भैर
 क अ गी नी ॥ कु मारी ॥ वर
 न भैर ॥ त क्षत्र ना ग वली
 गुरु गुरु ॥ स्व स्व वा ही खा
 ती प्र त स्वा ति

ॐ नमो
 ॐ स्वा न आ दी त्या ये ॥ ॐ
 नम ॥ को र ध भै र व ॥ ना
 रा य न ॥ क्षत्र पा त ॥ क र
 को त क ॥ ना ग ॥ ये व ली ॥
 गुरु वली गुरु ॥ स्व ॥ स्व स्व
 सा य सा य स्वा हा ॥ ४ ॥

ॐ र्षि ॥ वीहे लोति ॥ १०० ॥
 देव हं व ॐ उ म न ॥ भौ
 र वा य ॥ म मु कि ॥ वा रा
 ही ॥ का ला दे दे वी दे न
 वा ल व ह न ॥ रा ग व ली
 म र र व र बा हि त्वा हा

ॐ ख र ल नी ल र ॥ ॐ ख र ल
 नी व र क पा ल भौ र यि द्रा
 य नी ॥ क रा री यि स त क धा
 न वा ल क्षा न वा ली नी स
 व ही ॥ स व पा ल ना ग वें व
 ली म र र व र बा हि त्वा हा

ॐ गजसुर्क भैरव वीरव
 न पीदा ॥ धाका देवता ॥ म
 का ल ॥ माहाकाली अच ॥
 अच पालत क्षत नाग ॥ व
 गुना खख बाये २ हस्त
 आहा ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ हो हो जा ॥ ॐ पोमंत्र धात ॥
 ला हा देव ॥ दाक थाको ॥ अलत धात
 अया ॥ मा र ग ॥ गु गु ॥ स्वासि खला ॥ सि
 जा स स्वसि को यके मिसि दु यमाल
 सम भाग था हा व धात म ५ यके ॥



॥७॥

थोरा रक्षा नाम अमृतवीज नाम ॥ अमृत
मक गोला च नमोजय च स जो याव ॥ गल
संकोषा य कदवला दालत या दव नाल
गहनी च नमो ह पासा वन थी य मंदरु ल



थोज वन नमो
जय वन चो
यगल च न
कं कं म न व र
कम द र था म
वे द या म ल ल र
क ल ल त्व क प्या
ज त म मे व न द र
थ प्या न व र
र म्या न व र

मव न थु ज त व य ॥

॥ ११ ॥

गोलचनकं कुं यो न्य
ता भो जय व र्म को या को
वायक सनन थी यमक



समरक



॥ १२ ॥

गतन व व, धात से व यार देन था
थोया धास ॥ जीकरो, सक मेर, जील,
हि जील, इ लाल लभ, ल व ता च, योत,
स्म भा ग चूर्न या व, क स्थि स व लान के
वात से वी ना स ॥ ११ ॥ धित से व य, ता
री त्, पृक्क राम, क क ता सि, वी क न,
थो ते स्म भा ग चूर्न या ना व, क स ती स
वो ला व न के वात से वी ना स

रुपादेव पूजाया यम् ॥ ३०० ॥ ज्वाला मुखि
 भार का मुखि भार भार गागा अ मुख
 व समनाय स्यात् ॥ ३०१ ॥ आ सो धनया ज वृत्ता
 या य ॥ वा हा त्या य ॥

३०० नमो सि वि गुरु आत्मा ॥ ३०० सत कुरु हि
 नि ॥ ३०१ गो र्वा ना ह को सत्ये सत्ये को वा चाः
 ३०० अया ज्वा ला मुखि ज्वा ला ला जी का य
 ये सत्ये पु त्रे गिरा सत्ये गीत ज्वा ला मुखि
 दा किनि सा किनि द्वा रा पुं राक्ष स रा द्य
 तिनि पु - पंच नमो च च हि कि वा चाः सत्ये

का चा चार ॥ २९ ॥ थो मंत्र सा धे या य मंत्र
 ३ थो जल पात्र का दा जल स्य य मंत्र दा जल स्य
 या था का य म पू सा फई ज का च पित
 य सा सत यई का प का नी ना नू द्य पा जे य
 या ज व म नी काने म मंत्र

३०० अष्टा ई वा र दी य दे वि ॥ रक्त दी य जा ई दे वि ॥
 पृ व दी सा प्र धि ला ई ॥ के ले वि र प द्वा ला ई ॥
 धो ले वि र दा हि ना रा वौ ॥ द्वा द के वि र वा मे
 रा वौ ॥ न र सि ह वि र सि रे रा वौ ॥ श्री ना थ प
 दा दी रा वौ ॥ द्वा त्र पाल ॥ नू त वा धो श्री त वा

वाधो॥ दा कि ति वाधो॥ सी कि ति वाधो॥
वो क ति वाधो॥ म दी म सा न वाधो॥ से ठ रे
वाधो॥ रे वा रे वा^ओधो॥ लू हा कि ग जी र मा
हा ली वाधो॥ का ल स्य वाधो॥ से ता स्य
वाधो॥ स वे स्य वाधो॥ वि वे स्य वाधो॥
का लो भू त वाधो॥ का लो जू या वाधो॥ १॥
जा उ दे वि जा उ द षी न दी सा जा उ म धि
ला उ कै वि र प क्षि ला उ धो ले वि र॥ दा हि
ना रा षो द्ध द के वि र॥ वा दै रा षो न सि ह
वि र॥ सि र रा षो श्री ना थ॥ प द्मी रा षो
द्दे व पाल॥ भू त वाधो॥ प्री त वाधो॥ दा

कि ति वाधो॥ सा की नी वाधो॥ वो क ति
वाधो॥ म डी म सा न वाधो॥ स्यो रे वाधो॥
मो रे वाधो॥ लू हा का ग जी र मा हा ली वा
धो॥ का ला स्य वाधो॥ वि वे स्य वाधो॥ का
ला स्य वाधो॥ वि वे स्य वाधो॥
का लो भू त वाधो॥ का लो जू रे वाधो॥ २॥
जा उ दे वि जा उ॥ प क्षि म ष दी सा जा उ॥ म
धि ला उ कै ले वि र॥ प क्षि ला उ धो ले वि र
॥ दा हि ना रा षो द्ध द के वि र॥ वा दै रा षो न
सि ह वि र॥ सि र रा षो श्री ना थ॥ प द्मी रा
षो भू त पाल॥ भू त वाधो॥ प्री त वाधो॥

दाकिनी वाधो॥ सांकीनी वाधो॥ कोकसि
 वाधो॥ मन्दी मसान वाधो॥ स्योरे वाधो॥ स्यो
 रे वाधो॥ दूह के वाधो॥ फूल के वाधो॥
 लूहा का गजीर माहाली वाधो॥ कालास्य
 वाधो॥ सेतिस्य वाधो॥ हरियोस्य वाधो॥
 सपेनास्य वाधो॥ विवैस्य वाधो॥ का
 लोभूत वाधो॥ कालोभूत वाधो॥ ३१
 जाऊ देवि जाऊ॥ उवदीसा जाऊ॥ पुनधि
 लाऊ के लेवीर॥ पद्धिलाऊ वों लेवीर॥
 दाहीराखो दूद के विर॥ वावैराखो न

घवीर॥ सिरैराखो श्रीनाथ॥ पद्धिराखो॥
 क्षत्रपाल॥ भूत वाधो॥ पुत वाधो॥ दाकी
 नी वाधो॥ सांकीनी वाधो॥ मुकासको दा
 न्द्रा वाधो॥ पाताल को दान्द्रा वाधो॥
 लूहा का गजीर माहाली वाधो॥ कालीस्य
 वाधो॥ मन्दी मसान वाधो॥ स्योरे वाधो॥
 स्योरे वाधो॥ सेतिस्य वाधो॥ हरियोस्य वा
 धो॥ चारिदीसा वाधो॥ चारिधाका वाधो॥
 चारिषया वाधो॥ वैयाका किला॥ लूहा
 का किलो॥ लोतिला जाऊ देवी॥ जाऊ देवि

सागर हानू ॥ सागर के लैं ॥ धरति हानू ॥
 धरति को ह ॥ पताल हानू ॥ पताल को ह ॥
 जाऊँ दे जाऊँ ॥ देह रा हानू ॥ देह रा को ह ॥
 पहरा हानू ॥ पहरा को ह ॥ दुल्लावा वा चो ॥ ग
 या वा चो ॥ मृगुली वा गृली के माग दस ॥
 सर्व वासु रि विसरि ॥ सरप को विष वनीश
 की हो ॥ चाहि न्यासा ट दाम ॥

भूत के सर - १ कलाम को किलो ७
 पैशा का कीला - ७ ७ दरसि धूमा -
 रायो - मास मी गार - ७ ॥ फाम ४ वै धा की
 सरप - १ ७ दरसि गवा गाज वग रि थो क नू

हऊँ हरे हो हो हो ॥ सागर अई लि सि काली
 वान जगाऊँ ॥ चल हो ३ ॥ अँ सि काली वान
 चलाँ चलाऊँ ॥ चल हो ३ ॥ कई न्य देऊँ
 देऊँ दे वा ता हो को ॥ धन्ये धो न्ये ल्याऊँ ॥
 कऊँ ना भूत प्रीत हो को धन्ये धो न्ये ल्याऊँ ॥
 अँ ली सि कारी के वा चा वा चो ॥ कनाई २५
 किनि होय ॥ कऊँ ना वो क सि नि होय ॥ क
 ऊँ ना धरति मा होय ॥ कऊँ ना व थ र मा
 होय ॥ अँ ले सि कारी के ज्यो न वा धूँ ॥ मेरी
 न की गृह की सगती ॥ फूल मंत्र ई श्वर वा
 चा ॥ धार १०८ ॥ थो मंत्र न ज प या य ॥ नाम

काय ॥ दथ सलिका री देवि यामुहती को
 य ॥ जाकि स्वपुचत य ॥ दथ संचोगगा की
 हलु बाले ॥ मता स्व चाकिय ॥ भो कसिया
 नाम का व ॥ थोजा की मंच या जव ॥ वान
 न्या यजल ॥ थो मंच को ले थम वो झथे
 रू भू था जव ॥ भू न धा यके ॥ स्व चा क
 ले को कसिव ताई न्या मच
 म जी ला लो जी व की र सा ले व
 या हो मेरि सिग वि र गुरु आऊ ॥ या हो मे
 रि र गुरु वि र गुरु आऊ ॥ या हो मेरि ती न वि
 र गुरु आऊ ॥ या हो मेरि न व वि र म ज वि

र चा मि आऊ ॥ आ पू सा नू वान अगा रि
 प का रि स च को सि र मा रि आऊ ॥ सि र तो
 रि आऊ ॥ देहा ची आऊ ॥ वि दे स वा
 दी आऊ ॥ ला ह रा च क वान वा दी आ
 ऊ ॥ या हो मेरे स ती न लु नी आऊ ॥ या हो
 मेरि स सा न रा नी आऊ ॥ या हो मेरि ज
 ल क न्या दे वि आऊ ॥ जल चा रि गुरु
 म ल चा रि म जो मी ॥ या हो मेरि का
 ली चं वा गुरु आऊ ॥ या हो मेरि काला
 वि ज्ञा आऊ ॥

॥ २७ ॥
 आकास चाकी आऊं ॥ पाताल चाकी
 चाकी आऊं ॥ सिंगरी रंगु बेली बेली आ
 ऊं ॥ तीनवि रंगु ह बेली बेली आऊं ॥
 सातवि रंगु ह बेली बेली आऊं ॥ नववी
 रंगु ह बेली बेली आऊं ॥ नाची नाची
 बेली आऊं ॥ सासिहा सी बेली आऊं ॥
 वाग मती जस्तो वाहि वाहि आऊं ॥ वि
 स्र - नमती वाहि बेली आऊं ॥ दंत
 जस्तो चाही चाहि आऊं ॥ विद्रुली ज

सोचमकि चमकी आऊं ॥ लोहा की धका
 बेली आऊं ॥ मती था कर्क ह रं रं था रं रं
 ॥ कनवी रमसान रं रं था रं रं ॥ सिधती र
 मसान रं रं था रं रं ॥ विरमसान रं रं था रं रं ॥ चा
 रं रं मसान लाले सा रं रं म पाहिन्या वा
 बे गोल १ पा ज २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 ला आवे २१ हा कुर्या के म ना १॥ इतल व
 २१ चं धुवा सि ह वासनी सु र चो य नी
 सु र पूजा या य थो मी न २१ पूजा या य मसा
 न साले

ची के वयावा स हा गू जो ता जी व —
 सें मे र — १ जा फे — १ पि पि — १ ल जी — १
 क
 ह व के सर — १ ल ला च — १ जी रा — १
 ल जी — १ काल वा त्य क — १ सा व — १
 अ न — १ धान क ति वी य —

ॐ नमो गुरु आ गया ॥ ॐ नमो नमो दोरे
 दिदिरे ॥ जं विर थं विर जं वि नि थं
 विनी जं विर थं विरे मंड हं हा फ त
 स्या हा ॥ धार ॥ २१ ॥ थो मं व न मता वी
 य की ग पु व पु व त य ॥ मं नि स ते ग र ल
 गो कि ज व या न क य के त्रु फि ज व या न
 ना स दा य म ॥ म भी क ता व र हं गु ल
 ॐ नमो नमो नमो दोरे दोरे जं
 वीनी थ वीनी लं का वील पल

का वीर वीर वीर स मा य य
 हुं फ त स्या ला धार थो मं व न
 रे या ये ॥ वे य ॥ वु यी ॥ धा व या
 ला के ॥ ना व न प ल पां व तो के
 पा लु का खे वी न स्व प्र या व ये
 क ये के ॥ म थान म भी हं या
 प्र त क्ष लु यी व ॥ पा लु का ला नि

३०० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥

३०० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥
 ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥ ३० ॥

आहूत चाटसुत को अक्षत को मंत्र ॥१॥ यति
 केतव को गति देउ ॥२॥ सदा भवना लटिका
 सुत ॥३॥ दीसादे स को स्या मरा ॥४॥ स्यामरा
 को आवात ॥५॥ मुखराती को आवात ॥६॥ स
 को आवात ॥७॥ सदा के वाचा को मंत्र ॥८॥ दे
 न को मंत्र ॥९॥ जीगाई वाचा को मंत्र ॥१०॥ कि
 मा को मंत्र ॥११॥ मुख के वाचा को मंत्र ॥१२॥ सति
 मा को मंत्र ॥१३॥

ससे मंत्र जगद्गुरुग न्या मंत्र का अक्षत
 का वी भा मंत्र लीला
 लीला वी वा नीला
 अक्षी वा च क वक्ष
 कावा दक्षल

का	वा	नी	ली
का	वा	नी	ली
का	वा	नी	ली

